

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	फाल्गुन 6, गुरुवार, शाके 1942-फरवरी 25, 2021 <i>Phalguna 6, Thursday, Saka 1942- February 25, 2021</i>	

भाग 4 (ग)

उप-खण्ड (I)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य-प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये (सामान्य आदेशों, उप-विधियों आदि को सम्मिलित करते हुए) सामान्य कानूनी नियम।

कार्मिक विभाग

क-गुप-II

अधिसूचना

जयपुर, फरवरी 23, 2021

जी.एस.आर.251 :-भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजस्थान के राज्यपाल, राजस्थान राज्य अभियांत्रिकी सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1991 को और संशोधित करने के लिए, इसके द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.- (1) इन नियमों का नाम राजस्थान राज्य अभियांत्रिकी सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) (संशोधन) नियम, 2021 है।
(2) इन नियमों द्वारा प्रतिस्थापित नियम 14 के उप-नियम (2) के द्वितीय परंतुक और अनुसूची-II के शीर्ष 1. परीक्षा की स्कीम के अधीन उप-शीर्ष (i) प्रारंभिक परीक्षा के द्वितीय परंतुक को छोड़कर, जो 05.04.2018 से प्रवृत्त हुए समझे जायेंगे, ये तुरन्त प्रभाव से प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 14 का प्रतिस्थापन.- राजस्थान राज्य अभियांत्रिकी सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1991 जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियमों के रूप में निर्दिष्ट किया गया है, के विद्यमान नियम 14 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“14. परीक्षा की स्कीम, व्यक्तित्व और मौखिक परीक्षण.- (1) आयोग द्वारा प्रतियोगी परीक्षा अनुसूची-II में विनिर्दिष्ट स्कीम के अनुसार दो चरणों में आयोजित की जाएगी अर्थात् प्रारंभिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा। उन अभ्यर्थियों जो मुख्य परीक्षा में प्रवेश के लिए अर्हित घोषित किए गए हैं, द्वारा प्रारंभिक परीक्षा में प्राप्त अंकों की संगणना, उनके अंतिम योग्यताक्रम को अवधारित करने के लिए नहीं की जायेगी।

(2) मुख्य परीक्षा में प्रवेश दिये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या वर्ष में विभिन्न सेवाओं और पदों में परीक्षा के माध्यम से भरी जाने वाली रिक्तियों की कुल अनुमानित संख्या की पंद्रह गुना होगी किन्तु उक्त रैंज में उन समस्त अभ्यर्थियों को, जो उतने अंक प्राप्त करते हों जितने कि आयोग द्वारा किसी निम्नतर रैंज के लिए नियत किये जाये, मुख्य परीक्षा में प्रवेश दिया जायेगा:

परन्तु यदि आयोग की यह राय है कि मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए साधारण मानक के आधार पर आरक्षित प्रवर्ग वाले अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध नहीं है, तो आयोग द्वारा ऐसे आरक्षित प्रवर्ग वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश देने के लिए शिथिल मानक लागू किए जा सकेंगे ताकि मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए उस प्रवर्ग में के अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध हो जाये। इस प्रयोजन के लिए, रिक्तियों की कुल अनुमानित संख्या के पंद्रह गुना की विचार की समय-सीमा शिथिल रहेगी। तथापि, मुख्य परीक्षा के लिए इस प्रकार अतिरिक्त रूप से अर्हित अभ्यर्थी केवल संबंधित आरक्षित प्रवर्गों के लिए आरक्षित पदों पर ही चयन के पात्र होंगे:

परन्तु यह और कि राजस्थान राज्य अभियांत्रिकी सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा, 2018 जिसके लिए प्रक्रिया पहले से ही प्रारंभ हो चुकी है, के मामले में आरक्षित प्रवर्ग वाले अभ्यर्थी जिन्हें उस वर्ष के लिए प्रारंभिक परीक्षा में सामान्य प्रवर्ग के लिए कट-ऑफ अंकों के बराबर या अधिक अंक प्राप्त करने के कारण से आयोग द्वारा संबंधित आरक्षित प्रवर्गों के लिए आरक्षित पदों के पंद्रह गुना से अधिक संबंधित आरक्षित प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के रूप में मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए बुलाया गया है, उस वर्ष के लिए मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अर्हित माने जायेंगे।

टिप्पण: इस नियम के प्रयोजन के लिए "आरक्षित प्रवर्ग" से कोई ऐसा प्रवर्ग अभिप्रेत है जिसके लिए या तो क्षैतिज या ऊर्ध्व आरक्षण लागू हो।

(3) उसके द्वारा उन अभ्यर्थियों को, जिन्होंने मुख्य परीक्षा में ऐसे न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त किये हों जो आयोग द्वारा स्वविवेक से नियत किए जायें, साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

(4) आयोग, उसके द्वारा साक्षात्कार किये गये प्रत्येक अभ्यर्थी को, उसके चरित्र, व्यक्तित्व, स्पष्ट अभिव्यक्ति, शारीरिक गठन और राजस्थान की संस्कृति के ज्ञान को ध्यान में रखते हुए अंक प्रदान करेगा। इस प्रकार प्रदत्त अंक ऐसे प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा मुख्य परीक्षा में प्राप्त अंकों में जोड़े जायेंगे।"

3. अनुसूची-II का संशोधन.- उक्त नियमों से संलग्न अनुसूची-II में शीर्ष 1. **परीक्षा की स्कीम** के अधीन विद्यमान उपशीर्ष (i) **प्रारंभिक परीक्षा** के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“(i) प्रारंभिक परीक्षा:- प्रारंभिक परीक्षा दो प्रश्नपत्रों की होगी अर्थात् एक अनिवार्य प्रश्नपत्र और एक ऐच्छिक प्रश्नपत्र, जो वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे और अनुभाग ‘क’ और ‘ख’ में उल्लिखित विषयों में अधिकतम 400 अंकों के होंगे। परीक्षा का उद्देश्य केवल स्क्रीनिंग परीक्षण करना है। उन अभ्यर्थियों द्वारा जो मुख्य परीक्षा में प्रवेश के लिए अर्हित घोषित किए गए हैं प्रारंभिक परीक्षा में प्राप्त अंकों की, उनके अंतिम योग्यताक्रम को अवधारित करने के लिए संगणना नहीं की जायेगी। मुख्य परीक्षा में प्रवेश दिये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या वर्ष में विभिन्न सेवाओं और पदों में परीक्षा के माध्यम से भरी जाने वाली रिक्तियों की कुल अनुमानित संख्या की पंद्रह गुना होगी, किन्तु उक्त रैंज में उन समस्त अभ्यर्थियों को, जो उतने अंक प्राप्त करते हों जितने आयोग द्वारा किसी निम्नतर रैंज के लिए नियत किए जायें, मुख्य परीक्षा में प्रवेश दिया जायेगा:

परन्तु यदि आयोग की यह राय है कि मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए साधारण मानक के आधार पर आरक्षित प्रवर्ग वाले अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध नहीं है, तो आयोग द्वारा ऐसे आरक्षित प्रवर्ग वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश देने के लिए, शिथिल मानक लागू किया जा सकेगा ताकि मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए उस प्रवर्ग में अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध हो जाये। इस प्रयोजन के लिए, रिक्तियों की कुल अनुमानित संख्या के पंद्रह गुना की विचार की समय-सीमा शिथिल रहेगी। तथापि, मुख्य परीक्षा के लिए अतिरिक्त रूप से अर्हित अभ्यर्थी केवल संबंधित आरक्षित प्रवर्गों के लिए आरक्षित पदों पर चयन के ही पात्र होंगे:

परन्तु यह और कि राजस्थान राज्य अभियांत्रिकी सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा, 2018 जिसके लिए प्रक्रिया पहले से ही प्रारंभ हो चुकी है, के मामले में आरक्षित प्रवर्ग वाले अभ्यर्थी जिन्हें उस वर्ष के लिए प्रारंभिक परीक्षा में सामान्य प्रवर्ग के लिए कट-ऑफ अंकों के बराबर या अधिक अंक प्राप्त करने के कारण से आयोग द्वारा संबंधित आरक्षित प्रवर्गों के लिए आरक्षित पदों के पंद्रह गुना से अधिक संबंधित आरक्षित प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के रूप में मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए बुलाया गया है, उस वर्ष के लिए मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अर्हित माने जायेंगे।

टिप्पण: इस नियम के प्रयोजन के लिए “आरक्षित प्रवर्ग” से कोई ऐसा प्रवर्ग अभिप्रेत है जिसके लिए या तो क्षैतिज या ऊर्ध्व आरक्षण लागू हो।

अनुभाग-क

अनिवार्य प्रश्नपत्र

अधिकतम अंक

समय

राजस्थान का सामान्य ज्ञान

200

दो घंटे

और उसका भूगोल, अर्थशास्त्र और
संस्कृति को सम्मिलित करते हुए
सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान

अनुभाग -ख

ऐच्छिक प्रश्नपत्रों की सूची (किसी अभ्यर्थी द्वारा किसी एक प्रश्नपत्र का चुना जाना):-

	अधिकतम अंक	समय
सिविल अभियांत्रिकी	200	दो घंटे
इलैक्ट्रिकल अभियांत्रिकी	200	दो घंटे
यांत्रिक अभियांत्रिकी	200	दो घंटे "

[सं. एफ.1(5)डीओपी/ए-II/91 पार्ट]

राज्यपाल के आदेश और नाम से,

जय सिंह,

संयुक्त शासन सचिव

DEPARTMENT OF PERSONNEL

A-Gr.-II

NOTIFICATION

Jaipur, February 23, 2021

G.S.R.251 .-In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Rajasthan hereby makes the following rules further to amend the Rajasthan State Engineering Services (Direct Recruitment by Combined Competitive Examination) Rules 1991, namely:-

1. Short title and commencement.- (1) These rules may be called the Rajasthan State Engineering Services (Direct Recruitment by Combined Competitive Examination) (Amendment) Rules, 2021.

(2) They shall come into force with immediate effect except second proviso to sub-rule (2) of rule 14 and second proviso to sub-head (i) Preliminary Examination under head 1. Scheme of examination of Schedule-II substituted by these rules, which shall be deemed to have come into force with effect from 05.04.2018.

2. Substitution of rule 14.- The existing rule 14 of the Rajasthan State Engineering Services (Direct Recruitment by Combined Competitive Examination) Rules 1991, hereinafter referred to as the said rules, shall be substituted by the following, namely:-

"14. Scheme of examination, personality and viva-voce test.- (1) The competitive examination shall be conducted by the Commission in two stages i.e. preliminary examination and main examination as

per the scheme specified in Schedule-II. The marks obtained in the preliminary examination by the candidates, who are declared qualified for admission to the main examination, will not be counted for determining their final order of merit.

(2) The number of candidates to be admitted to the main examination will be fifteen times the total approximate number of vacancies to be filled in the year through the examination in the various services and posts, but in the said range all those candidates who secure the same marks as may be fixed by the Commission for any lower range will be admitted to the main examination:

Provided that, if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates belonging to reserved category are not available on the basis of general standard for appearing in the main examination, relaxed standard may be applied by the Commission for admitting candidates belonging to such reserved category so that sufficient number of candidates in that category are available to appear in the main examination. For this purpose, the zone of consideration of fifteen times the total approximate number of vacancies shall stand relaxed. However, candidates so additionally qualified for the main examination will be eligible for selection to the posts reserved for respective reserved categories only.

Provided further that in case of Rajasthan State Engineering Services Combined Competitive Examination, 2018 process for which has already been commenced, candidates belonging to reserved category called by the Commission in excess of fifteen times the posts reserved for respective reserved categories for appearing in the main examination, as candidates of respective reserved categories, because of having secured equal or more marks than the cut-off marks for general category in preliminary examination for that year, shall be considered qualified for appearing in the main examination for that year.

Note: For the purpose of this rule "reserved category" means any such category for which reservation, either horizontal or vertical is applicable.

(3) Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the main examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview.

(4) The Commission shall award marks to each candidate interviewed by them, having regard to their character, personality, articulation, physique and knowledge of culture of Rajasthan. The marks so awarded shall be added to the marks obtained in the main examination by each such candidate."

3. Amendment of Schedule-II.- In Schedule-II appended to the said rules, the existing sub head (i) Preliminary Examination under head 1. Scheme of Examination shall be substituted by the following, namely:-

"(i) Preliminary Examination:- The preliminary examination will consist of two papers, i.e. one compulsory paper and one optional paper, which will be of objective type and carry a maximum of 400 marks in the subjects mentioned in section 'A' and 'B'. The examination is meant to serve as a screening test only. The marks obtained in the preliminary examination by the candidates who are declared qualified for admission to the main examination, will not be counted for determining their final order of merit. The number of candidates to be admitted to the main examination will be fifteen times the total approximate number of vacancies to be filled in the year through the examination in the various services and posts, but in the said range all those candidates who secure the same marks as may be fixed by the Commission for any lower range will be admitted to the main examination:

Provided that, if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates belonging to reserved category are not available on the basis of general standard for appearing in the main examination, relaxed standard may be applied by the Commission for admitting

candidates belonging to such reserved category so that sufficient number of candidates in that category are available to appear in the main examination. For this purpose, the zone of consideration of fifteen times the total approximate number of vacancies shall stand relaxed. However, candidates so additionally qualified for the main examination will be eligible for selection to the posts reserved for respective reserved categories only.

Provided further that in case of Rajasthan State Engineering Services Combined Competitive Examination, 2018 process for which has already been commenced, candidates belonging to reserved category called by the Commission in excess of fifteen times the posts reserved for respective reserved categories for appearing in the main examination, as candidates of respective reserved categories, because of having secured equal or more marks than the cut-off marks for general category in preliminary examination for that year, shall be considered qualified for appearing in the main examination for that year.

Note: For the purpose of this clause "reserved category" means any such category for which reservation, either horizontal or vertical is applicable.

SECTION-A

Compulsory Paper	Maximum marks	Time
General Knowledge & General Science including General Knowledge of Rajasthan and its Geography, Economy and Culture.	200	2 hours

SECTION-B

List of optional papers (any one paper to be opted by a candidate) :-

	Maximum marks	Time
Civil Engineering	200	2 hours
Electrical Engineering	200	2 hours
Mechanical Engineering	200	2 hours"

[No. F. 1(5)DOP/A-II/91 pt.]

By Order and in the name of the Governor,
JAI SINGH

JOINT SECRETARY TO THE GOVERNMENT.

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।